

फोन छीन कर मां-बाप ने कहा- पढाई पर दो ध्यान, गुस्साए बेटे ने फंदे से लटककर दे दी जान

यूपी के नोएडा में माता-पिता द्वारा फोन छीन लिए जाने से नाराज होकर एक नाबालिग लडके ने पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली. रिपोर्ट के मुताबिक हमेशा मोबाइल पर दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में खुदकुशी की हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है. माता-पिता ने 16 साल के बेटे से मोबाइल फोन छीन लिया तो उसने अपनी जान यूपी के नोएडा में माता-पिता द्वारा फोन छीन लिए जाने से नाराज होकर एक नाबालिग लडके ने पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली. रिपोर्ट के मुताबिक हमेशा मोबाइल पर दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में खुदकुशी की हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है. माता-पिता ने 16 साल के बेटे से



यूपी के नोएडा में माता-पिता द्वारा फोन छीन लिए जाने से नाराज होकर एक नाबालिग

लडके ने पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली. रिपोर्ट के मुताबिक हमेशा मोबाइल पर दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में खुदकुशी की हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है. माता-पिता ने 16 साल के बेटे से मोबाइल फोन छीन लिया तो उसने अपनी जान यूपी के नोएडा में माता-पिता द्वारा फोन छीन लिए जाने से नाराज होकर एक नाबालिग लडके ने पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली. रिपोर्ट के मुताबिक हमेशा मोबाइल पर दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा में खुदकुशी की हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है. माता-पिता ने 16 साल के बेटे से

24 लाख का कुख्यात इनामी नक्सली जेद्दी गिरफ्तार, 35 से ज्यादा हमलों को दे चुका था अंजाम

छत्तीसगढ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने एक कुख्यात नक्सली को गिरफ्तार कर लिया है. 24 लाख —पये का इनामी नक्सली



जेद्दी 35 से ज्यादा हमलों को अंजाम दे चुका था. पुलिस ने उसे उस वक्त गिरफ्तार किया जब उसे इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में ट्रांसफर किया जा रहा था. बीजापुर में पुलिस लगातार नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही ह छत्तीसगढ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने एक कुख्यात नक्सली को गिरफ्तार कर लिया है. 24 लाख —पये का इनामी नक्सली जेद्दी 35 से ज्यादा हमलों को अंजाम दे चुका था. पुलिस ने उसे उस वक्त गिरफ्तार किया जब उसे इलाज के लिए दूसरे अस्पताल में ट्रांसफर किया जा रहा था. बीजापुर में पुलिस लगातार नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही ह छत्तीसगढ के बीजापुर में सुरक्षाबलों ने एक कुख्यात नक्सली को गिरफ्तार कर लिया है. 24 लाख —पये का इनामी नक्सली जेद्दी 35 से ज्यादा

कमजोर आंखों की रोशनी से आ गए हैं तंग, तो आज से ही खाएं ये चीज, आंखों के लिए किसी वरदान से कम नहीं

आजकल आंखों की रोशनी का कम उम्र में कमजोर होना काफी सामान्य सी बात हो गई है. आपने देखा होगा छोटे बच्चों तक के चश्मे लगे होते हैं और बिना चश्मे के सब धुंधला दिखाई देता है. मर्र्जन लाइफस्टाइल और मोबाइल, लैपट२प के बहुत ज्यादा उपयोग से आंखों की रोशनी पर बुरा असर पडता है. कमजोर आंखें एक आम समस्या बन चुकी है, जिससे बचने के लिए हेल्दी डाइट और सही पोषण का सेवन बेहद जरूरी है. कुछ फूड्स ऐसे हैं, जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल करके आंखों की रोशनी को बढ़ा सकते हैं. आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ फूड्स के बारे में जो कमजोर आंखों के लिए वरदान साबित हो सकते हैं. जिससे बचने के लिए हेल्दी डाइट और सही पोषण का सेवन बेहद जरूरी है. कुछ फूड्स ऐसे हैं, जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल करके आंखों की रोशनी को बढ़ा

8 महीने का था जब मिला पहला रोल, आज 65 की उम्र में भी लात-घुंस्तों से बजा रहा है गुंडों की बेंड

साउथ की फिल्में, एक्शन, ड्रामा कहानी सब एक अलग ही लेवल के होते हैं. उस पर से वहां के



स्टार्स भी फिल्मों को लार्जर देन लाइफ बनाने में कोई कसर नहीं छोडते. अब यूं तो अगर हम नाम लेने लगे तो लिस्ट काफी लंबी चली जाएगी इसलिए आज बात करेंगे बर्थडे बर्य नागार्जुन की. पिछले 40 दशक से फिल्मों एक्टिव नागार्जुन ने मणिरत्नम की फिल्म गीतांजलि से अपने करियर की शु—आत की थी. नागार्जुन की पहली ही फिल्म को बेस्ट प२पुलर फिल्म का नेशनल अव२र्ड मिला था. पहली ही फिल्म से क्रिटिक्स से लेकर पब्लिक को इंप्रेस किया था. इसके बाद से वो लगातार पर्व पर छाए रहे. आज भी फिल्मों में एक्टिव हैं और अपने लात घुंस्तों से विलेन्स को धूल चटा रहे हैं. चलिए बताते हैं इन स्टार्स के बारे में कुछ ऐसी बातें जो शायद आपको ना पता हों.

करिश्मा कपूर का बेटा अब बन सकता है अगला हीरो नंबर 1, में दिखी दमदार पर्सनैलिटी, लोग बोले- सुपरस्टार तैयार है



नई दिल्ली ब२लीवुड की सबसे चर्चित एक्ट्रेसेज में से एक करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में फिल्म इंडस्ट्री पर राज किया. उनकी शानदार एक्टिंग और डांस के साथ-साथ उनकी खूबसूरती ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. आज, 50 की उम्र में भी करिश्मा कपूर अपनी बेमिसाल खूबसूरती से सुर्खियों में रहती हैं. साल 2003 में बिजनेसमैन संजय कपूर से शादी के बाद करिश्मा कपूर ने धीरे-धीरे अपने फिल्मी करियर पर ब्रेक लगा लिया और अपने परिवार और बच्चों को प्राथमिकता दी. हालांकि, उनकी शादी लंबे समय तक टिक नहीं सकी. करिश्मा कपूर ने 2016 में पति संजय कपूर से तलाक ले लिया था. करिश्मा कपूर के दो बच्चे हैं×बेटी समायरा, जो अपनी मां की तरह बेहद खूबसूरत हैं, और बेटा कियान राज कपूर, जिनका शानदार लुक और अजय देवगन की तरह गंभीर और शिष्ट व्यक्तित्व की वजह से वह इन दिनों इंटरनेट पर चर्चा में हैं. नई दिल्ली ब२लीवुड की सबसे चर्चित एक्ट्रेसेज में से एक करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में फिल्म इंडस्ट्री पर राज किया. उनकी शानदार एक्टिंग और डांस के साथ-साथ उनकी खूबसूरती ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. आज, 50 की उम्र में भी करिश्मा कपूर अपनी बेमिसाल खूबसूरती से सुर्खियों में रहती हैं. साल 2003 में बिजनेसमैन संजय कपूर से शादी के बाद करिश्मा कपूर ने धीरे-धीरे अपने फिल्मी करियर पर ब्रेक लगा लिया और अपने परिवार और बच्चों को प्राथमिकता दी. हालांकि, उनकी शादी लंबे समय तक टिक नहीं सकी. करिश्मा कपूर ने 2016 में पति संजय कपूर से तलाक ले लिया था. करिश्मा कपूर के दो बच्चे हैं×बेटी समायरा, जो अपनी मां की तरह बेहद खूबसूरत हैं,

नश्मिनेशन प्रक्रिया

के दौरान जय शाह

को मिला इतने देशों

का समर्थन,

पाकिस्तान के रोल

का भी हुआ

खुलासा

क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि बस मूकदर्शक बने रहे. सूत्र के अनुसार, षीसीबी की तरफ से कोई शब्द नहीं कहा गया. ऐसा नहीं है कि पीसीबी के वोट की ज—रत थी क्योंकि शाह के पास सदस्यों से जबर्दस्त समर्थन हासिल था. लेकिन पाकिस्तान बोर्ड ने पूरी प्रक्रिया के दौरान पूरी कुछ दिन पहले ही के निर्विरोध चेयरमैन चुने गए बीसीसीआई सचिव जय शाह की हर ओर चर्चा है. और आखिर हो भी क्यों न? सिर्फ 35 साल की उम्र में आईसीसी चेयरमैन बनकर जय शाह ने अपने आप में रिक२र्ड बना दिया. वह इतिहास में सबसे कम उम्र के चेयरमैन हैं. शाह न्यूजीलैंड के ग्रेक बार्कले के इनकार के बाद चेयरमैन चुने गए, जिन्होंने तीसरी बार अपने कार्यकाल को बढ़ाने से इनकार कर दिया.

आतंक की लपटों से जम्हूरियत के चिराग तक... लालचौक के श्समयश् ने दिखाया कैसे बदला कश्मीर का वक्त

अब घाटी में अपनी फूल खिलाने में खासकर युवाओं में इस चुनाव में बढ-चढ्कर 25 साल से 38 नौजवान, जिनके थमाने की साजिशें देखी है. आज उन्हीं पैदा हो गई है कि बागडोर संभाल चाहे कांग्रेस-छब् च्च हो या फिर

अपने लिए संभावनाओं के फूल खिलाने में सभी जुटे हुए हैं. जिन लोगों ने घाटी के कंधे पर बंदूकें रखने की साजिशें रची, उन लोगों को घाटी ने हाशिए पर फेंक दिया है. मै साफ साफ देख पा रहा हूं कि लोकतंत्र का ये चुनावी पर्व कश्मीर की खूबसूरती को और ज्यादा बेनजीर बना रहा है. आर्टिकल 370 के बाद काफी तेजी से बदला कश्मीर का वक्त मैं समझ पा रहा हूं कि जम्मू-कश्मीर का वक्त आर्टिकल 370 के बाद काफी तेजी से बदला है कि कैसे कश्मीर में चुनाव के जरिए लोकतंत्र को लाने का उत्साह बढ़ा है. सबसे खास बात ये है कि जिन्होंने चुनाव का बहिष्कार किया था, वो भी मान रहे हैं कि चुनाव का बहिष्कार एक भूल थी. चुनाव ही तो लोकतंत्र तक जाने का सही रास्ता है.अब घाटी में अपनी संभावनाओं के फूल खिलाने में जुटी पार्टियां खासकर युवाओं में मैंने देखा कि वो इस चुनाव में बढ-चढ्कर हिस्सा ले रहे हैं. 25 साल से 38 साल के वो नौजवान, जिनके हाथों में बंदूक थमाने की साजिशें मैने ही कई बार देखी है. आज उन्हीं हाथों में वो ललक पैदा हो गई है कि वो कश्मीर की बागडोर संभाल सके. इसीलिए चाहे कांग्रेस-छब् गठबंधन हो, चाहे च्च हो या फिर उश्चहो... घाटी में अपने लिए संभावनाओं के फूल खिलाने में सभी जुटे हुए हैं. जिन लोगों ने घाटी के कंधे पर बंदूकें रखने की साजिशें रची, उन लोगों को घाटी ने हाशिए पर फेंक दिया है. मै साफ साफ देख पा रहा हूं कि लोकतंत्र का ये चुनावी पर्व कश्मीर की खूबसूरती को और ज्यादा बेनजीर बना रहा है. आर्टिकल 370 के बाद काफी तेजी से बदला कश्मीर का वक्त मैं समझ पा रहा हूं कि जम्मू-कश्मीर का वक्त आर्टिकल 370 के बाद काफी तेजी से बदला. अब समय देख रहा है कि कैसे कश्मीर में चुनाव के जरिए लोकतंत्र को लाने का उत्साह बढ़ा है. सबसे खास बात ये है कि जिन्होंने चुनाव का बहिष्कार किया था, वो भी मान रहे हैं कि चुनाव का बहिष्कार एक भूल थी. चुनाव ही तो लोकतंत्र तक जाने का सही रास्ता है.अब घाटी में अपनी संभावनाओं के फूल खिलाने में जुटी पार्टियां खासकर युवाओं में मैंने देखा कि वो इस चुनाव में बढ-चढ्कर हिस्सा ले रहे हैं. 25 साल से 38 साल के वो नौजवान,

इनकार के बाद चेयरमैन चुने गए, जिन्होंने तीसरी बार अपने कार्यकाल को बढ़ाने से इनकार कर दिया. बता दें कि



जय शाह इसी साल एक दिसंबर से चेयरमैन का कार्यकाल संभालेंगे. बता दें कि अध्यक्ष पद के लिए 16 देशों की वोटिंग होनी थी, लेकिन जय शाह के लिए वोटिंग की नौबत ही नहीं आई और वह निर्विरोध रूप से अध्यक्ष चुने गए . रिपोर्ट के अनुसार जय शाह को न२मिनेशन प्रक्रिया के दौरान कुल मिलाकर 16 में से 15 सदस्यों का समर्थन मिला, लेकिन इस दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधि बस मूकदर्शक बने रहे. सूत्र के अनुसार, षीसीबी की तरफ से कोई शब्द



संभावनाओं के जुटी पार्टियां मैंने देखा कि वो

हिस्सा ले रहे हैं. साल के वो हाथों में बंदूक मैने ही कई बार हाथों में वो ललक वो कश्मीर की सके. इसीलिए गठबंधन हो, चाहे उश्चहो... घाटी में

फाटक पर घंटों रुकी रही ट्रेन, रेलवे क्रशसिंग पर लग गया तगड़ा जाम, ट्रेन रुकने की वजह जान खुद के बाल खींचने लगे लोग



इंटरनेट पर अक्सर ऐसे वीडियो सामने आ जाते हैं, जो हैरान करने के साथ-साथ कई बार सोचने को भी मजबूर कर देते हैं. हाल ही में भारतीय रेल से जुडा एक ऐसा ही वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसे देखकर आप भी हक्के-बक्के रह जाएंगे. यूं तो अभी तक आपने भारतीय रेल से जुडे तमाम वीडियो देखे होंगे, लेकिन वायरल हो रह इस वीडियो को देखने के बाद यकीनन आप भी अपना माथा पकड लेंगे. इस वायरल क्लिप में देखा जा सकता है कि क्र२सिंग के फाटक बंद है और एक ट्रेन —की हुई है, जिसके चलते अच्छा खासा जाम लग चुका है. वीडियो शेयर करने वाले ने ये दावा किया है कि, ट्रेन को स्टेशन मास्टर ने सिर्फ इसलिए —कवाया था ताकि वह लोको पायलट को सनैक्स

मक्का में दिखा कुदरत का अनोखा रूप, क्लश्क लावर पर गिरी बिजली, जितना खौफनाक था नजारा उतना ही अद्भुत हे वीडियो



कई बार प्रति अपने ऐसा रौद्र रूप दिखाती है, जिसे देखकर कलेजा डर से थर-थर कांप उठता है. हाल ही में एक ऐसा ही दिल दहला देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों की धडकनें तेज कर रहा है, जिसमें आसमान से गिरती रुह कंपा देने वाली बिजली अलग ही तांडव दिखा रही है. इस घटना की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर हाथों हाथ शेयर किए जा रहे हैं.कई बार प्रति अपने ऐसा रौद्र रूप दिखाती है, जिसे देखकर कलेजा डर से थर-थर कांप उठता है. हाल ही में एक ऐसा ही दिल दहला देने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों की धडकनें तेज कर रहा है, जिसमें आसमान से गिरती रुह कंपा देने वाली बिजली अलग ही तांडव दिखा रही है. इस घटना की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर हाथों हाथ शेयर किए जा

शिकारी खुद बना शिकार, खूंखार तेंदुए को बुरी तरह नोचता-घसीटता नजर आया कुत्तों का झुंड



इंटरनेट पर अक्सर वाइलडलाइफ से जुडे एक से बढ्कर एक दिल दहला देने वाले वीडियो देखने को मिलते रहते हैं, जिनमें खूंखार शिकारी जानवरों को अपने से कमजोर जानवर को शिकार बनाते देखा जाता है, लेकिन क्या कभी आपने किसी कमजोर जानवर को खूंखार शिकारी पर हावी होते देखा है? अगर आपका जवाब ना है तो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो को देखना तो बनता है, जिसमें कुत्तों का झुंड तेंदुए को बुरी तरह नोचते-दबोचते दिखाई दे रहे हैं. इंटरनेट पर अक्सर वाइलडलाइफ से जुडे एक से बढ्कर एक दिल दहला देने वाले वीडियो देखने को मिलते रहते हैं, जिनमें खूंखार शिकारी जानवरों को अपने से कमजोर जानवर को शिकार बनाते देखा जाता है, लेकिन क्या कभी आपने किसी कमजोर जानवर को खूंखार शिकारी पर हावी होते देखा है? अगर आपका जवाब ना है तो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो को देखना तो बनता है, जिसमें कुत्तों का झुंड तेंदुए को बुरी तरह

हाईकोर्ट से 80 साल की बुजुर्ग महिला को भिला इंसाफ, घर खाली करने का दिया निर्देश, बेटे-बहू पर आरोप हाईकोर्ट ने वरिष्ठ नागरिकोंहाईकोर्ट ने वरिष्ठ

इर्हाकोर्ट ने वरिष्ठ

नागरिका के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और उपेक्षा-मुक्त रहने के माहौल की आवश्यकता पर जोर देते हुए एक 80 वर्षीय महिला के बेटे, बहू और पोते-पोतियों को उस घर को खाली करने का निर्देश दिया है, जिसमें वे साथ रह रहे थे। महिला ने दोनों पर उत्पीड्ेन और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था। न्यायमूर्ति संजीव नरुला ने 27 अगस्त

मोदी ने तीसरे र्त्म के ढाई महीने में ही रख दी चौथे कार्यकाल की नींव,समझिए उनके बयान के क्या हैं मायने?



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (ग्लसवर्ड्स थ्यदम्बवी थ्मेज) में भाषण दिया. इस इवेंट में पीएम मोदी ने कहा, ष्हाज में कुछ लोगों से मिला. हरेक के 10-10 होमवर्क देकर आया हूँ...क्योंकि मैं समझ सकता हूँ कि ये बहुत बड्ा बदलाव लाने

मणिपुर में विद्रोहियों के हमले में 2 लोगों की मौत, कई घायल, ड्रोन बम का किया गया इस्तेमाल : सरकार



नई दिल्ली: मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है. मणिपुर में संदिध विद्रोहियों की गोलीबारी में आज दो लोगों की मौत हो गई है, जिनमें एक महिला भी शामिल है. साथ ही 9 लोग भी घायल हुएहैं, इनमें दो सुरक्षाकर्मी हैं. संदिध विद्रोहियों ने ड्रोन और बम के साथ अत्याधुनिक हथियारों के साथ हमला किया. राज्य सरकार ने इस घटना की निंदा करते हुए बयान जारी किया है, जिसमें कहा कि यह घटना राज्य सरकार के शांति के प्रयासों को पटरी से उतारने का प्रयास है. मणिपुर पुलिस ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि इंकाल पश्चिम के

सरकारी कर्मचारियों को NPS को छोड़कर UPS क्यों अपनाना चाहिए? एक्सपर्ट्स से समझें



नई दिल्ली: केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार (Modi Government) ने बीते हफ्ते एक नई पेंशन स्कीम (News Pension Scheme) शुरू की है, जिसका नाम यूनिफाइड पेंशन स्कीम (Unified Pension Scheme) है . यह पेंशन स्कीम 2004 में लागू की गई (National Pension System) यानी एनपीएस (NPS) का अपडेटेड वर्जन है. 2004 में तत्कालीन भाजपा की अटल बिहारी वाजपेई सरकार ने नेशनल पेंशन स्कीम को लागू किया था. इसके बाद देश के तमाम सरकारी और गैर सरकारी कर्मचारियों ने इस पेंशन स्कीम का विरोध करना शुरू कर दिया. एनपीएस के विरोध की मुख्य वजह इस स्कीम का शेयर मार्केट के अधीन होना था.Unified Pension Scheme कैसे लागू हुआ नेशनल पेंशन स्कीम पर कर्मचारियों के विरोध को देखते हुए इसी साल अप्रैल महीने में पूर्व वित्त सचिव डॉ. सोमनाथ के नेतृत्व में एनपीएस से जुड़ी कर्मचारियों की समस्याओं पर मंथन करने के लिए एक कमेटी का गठन किया गया था. कमेटी ने करीब-करीब सभी राज्यों और मजदूर संगठनों के साथ बात की. इस पूरी प्रक्रिया के बाद ही कमेटी ने यूनिफाइड

को पारित फैसले में कहा कि बहू का निवास एक ऐसा अधिकार नहीं है जिसे समाप्त नहीं किया जा सकता और इस अधिकार को वरिष्ठ नागरिक अधिनियम के तहत वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली सुरक्षा के साथ जोड्ंकर देखा जाना चाहिए जो उन्हें परेशान करने वाले लोगों को बेदखल करने की अनुमति देता है। हाईकोर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक



जोर देते हुए एक 80 वर्षीय महिला के बेटे, बहू और पोते-पोतियों को उस घर को खाली करने का निर्देश दिया है, जिसमें वे साथ रह रहे थे। महिला ने दोनों पर उत्पीड्ेन

राजनीतिक भी हैं. फिनटेक फेस्टिवल में जाने-माने बैंकर, इंडरिट्रियलिस्ट और एजुकेशनलिस्ट (शिक्षाविद) ने हिस्सा लिया. यहां लीडरशिप रिपोर्ट और व्हाइटलेटरन्च किए गए. इन्वोवेशन से जुड्ी कई अहम जानकारीयां शेयर हुई. लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी का भाषण इस मायने में खास रहा कि उन्होंने बेहद सधे हुए और सरल अंदाज्े में बता दिया कि उनकी लीडरशिप में छव्। केंद्र की सत्ता में चौथी बार

कि यह घटना राज्य सरकार के शांति के प्रयासों को पटरी से उतारने का प्रयास है. मणिपुर पुलिस ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि इंकाल पश्चिम के कौटुक में एक अभूतपूर्व हमले में कथित कुकी विद्रोहियों ने उच्च तकनीक वाले ड्रोन के उपयोग से कई आरपीजी तैनात किएहैं. ड्रोन बमों का इस्तेमाल आमतौर पर युद्धों में किया जाता रहा है. साथ ही कहा कि सुरक्षाबलों और नागरिकों के खिलाफ विस्फोटक लगाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल महत्वपूर्ण वृद्धि का संकेत है. नई दिल्ली: मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है. मणिपुर में संदिध विद्रोहियों की गोलीबारी में आज दो लोगों की मौत हो गई है, जिनमें एक महिला भी शामिल है. साथ ही 9 लोग भी घायल हुएहैं, इनमें दो सुरक्षाकर्मी हैं. संदिध विद्रोहियों ने ड्रोन और बम के साथ अत्याधुनिक हथियारों के साथ हमला किया. राज्य सरकार ने इस घटना की निंदा करते हुए बयान जारी किया है, जिसमें कहा

और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था। न्यायमूर्ति संजीव नरुला ने 27 अगस्त को पारित फैसले में कहा कि बहू का निवास एक ऐसा अधिकार नहीं है जिसे समाप्त नहीं किया जा सकता और इस अधिकार को वरिष्ठ नागरिक अधिनियम के तहत वरिष्ठ नागरिकों को दी जाने वाली सुरक्षा के साथ जोड्ंकर देखा जाना चाहिए जो उन्हें परेशान करने वाले लोगों को बेदखल करने की

प्लूट बैंक में स्पेशलिस्ट अरफिसर पद पर वैकेसी, मैनेजर के 56 पदों के लिए आवेदन इस तारीख से शुरू होगे



दे श के जाने-माने बैंक आईडीबीआई बैंक ने स्पेशलिस्ट पदों पर भर्ती के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं. आईडीबीआई बैंक ने मैनेजर औरअसिस्टेंट जनरल मैनेजर पद पर भर्ती निकाली है. बैंक मैनेजर बनने की इच्छा और योग्यता रखने वाले उम्मीदवार इस भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं. आईडीबीआई भर्ती 2024 के लिए आवेदन प्रक्रिया 1 सितंबर 2024 से शुरू होगी जो 15 सितंबर 2024 तक चलेगी. मध्य प्रदेश में प्राथमिक शिक्षकों की जाएगी नौकरी, नियुक्ति निरस्त करने का निर्देश जारी आईडीबीआई बैंक भर्ती 2024 अभियान का लक्ष्य 56 रिक्तियों को भरना है, जिनमें से 25 रिक्तियां

रजनीकांत की वजह से सूर्या सिंघम के हाथ से निकला दशहरा, जानें क्यों 10 अक्तूबर को रिलीज नहीं करेंगे

नई दिल्ली: साउथ स्टार सूर्या, जिन्हें सिंघम के लिए जाना जाता है. वह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा के लिए चर्चा में हैं. इसमें उनके साथ बॉबी देओल नजर आएंगे, जो कि विलेन का रोल निभा रहे हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है, जो कि काफी चर्चा में रहा, जिसके चलते फैस 10 अक्टूबर का बेसग्री से इंतजार कर रहे हैं. लेकिन फैस के लिए एक बुरी खबर है कि अब कंगुवा 10 अक्टूबर को रिलीज नहीं होगी क्योंकि एक्टर सूर्या ने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है, जिसका कारण सुपरस्टार रजनीकांत की वेट्टैयान के कारण लिया गया है. दरअसल, सिरुथाई शिवा द्वारा निर्देशित कंगुवा की रिलीज डेट को पोस्टपोन करने का फैसला रजनीकांत की वेट्टैयान को देखते हुए लिया गया है, जो कि उसी दिन रिलीज होने वाली है. सूर्या

73 साल की उम्र में बड़-बड़े गुंडों से टकराने को तैयार साउथ का ये सुपरस्टार, पिछले साल दी थी 650 करोड़ की ब्लॉकबस्टर



साउथ के इस सुपरस्टार की उम्र 73 साल है. लेकिन अपनी अगली फिल्म में वे साउथ के बड़े-बड़े ऑनस्क्रीन गुंडों से टकराने के लिए तैयार हैं. इस एक्टर की आखिरी फिल्म 2023 में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 650 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था और उनका किरदार भी यादगार रहा था. क्या आप इस एक्टर के नाम का अनुमान लगा पाए? अगर नहीं तो लीजिए हम आपको बताए देते हैं. ये एक्टर कोई और नहीं बल्कि रजनीकांत हैं, जिन्हें उन्हें फैन्स प्यार से 'थलाइवा' के नाम से भी जानते हैं.

अनुमति देता है।हाईकोर्ट ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित, सम्मानजनक और उपेक्षा-मुक्त रहने के माहौल की आवश्यकता पर जोर देते हुए एक 80 वर्षीय महिला के बेटे, बहू और पोते-पोतियों को उस घर को खाली करने का निर्देश दिया है, जिसमें वे साथ रह रहे थे। महिला ने दोनों पर उत्पीडन और दुर्व्यवहार का आरोप लगाया था। न्यायमूर्ति संजीव नरुला ने 27 अगस्त को पारित फैसले में कहा कि

एजीएम यानी असिस्टेंट जनरल मैनेजर ग्रेड सी के पद के लिए और 31 मैनेजर ग्रेड बी के लिए हैं. एजीएम-ग्रेड सी पद के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम उम्र 28 और अधिकतम उम्र 40 वर्ष होनी चाहिए. वहीं मैनेजर-ग्रेड बी पद के लिए न्यूनतम उम्र 25 और अधिकतम उम्र 35 वर्ष हो. आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट दी गई है. बीपीएससी 70वीं भर्ती का नोटिफिकेशन सितंबर में होगा जारी, अक्टूबर तक भरे जाएंगे फर्म एजीएम-ग्रेड सी पद के लिए मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से पीजी डिग्री होनी चाहिए. वहीं मैनेजर-ग्रेड बी पद पर बैचलर डिग्री जरूरी है. ईडब्ल्यूएस और ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आवेदन शुल्क 1000 —पये है. वहीं एससी, एसटी वर्ग के उम्मीदवारों को 200 —पये का मुगतान करना होगा.

शिवाजी महाराज की प्रतिमा कैसे और क्यों गिरी? जानिए कैक्टस; उद्धव से लेकर शिंदे ने क्या कहा?

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) सुप्रीमो शरद पवार और शिवसेना- उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना- यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के विरोध में दक्षिण मुंबई स्थित प्रतिष्ठित हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक रविवार को ‘महा विकास आघाड़ी’ (एमवीए) के मार्च का नेतृत्व किया. शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘क्या आपने



महाराज की प्रतिमा का गिरना भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है. यह सभी शिवाजी प्रेमियों का अपमान है."कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री के माफी मांगने से बहुत पहले ही विपक्ष ने ऐसी ‘‘शिवाजी द्रोही’’ सरकार को सत्ता में आने देने के लिए मराठा योद्धा से माफी मांगी थी. आगामी विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में उन्होंने कहा कि हमने संकल्प लिया है कि ऐसा दोबारा नहीं होगा. पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य में होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए माफी मांगी है.राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) सुप्रीमो शरद पवार और शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना- यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के विरोध में दक्षिण मुंबई स्थित प्रतिष्ठित हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक रविवार को ‘महा विकास आघाड़ी’ (एमवीए) के मार्च का नेतृत्व किया. शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘क्या आपने (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की) माफी में अहंकार को देखा? इसमें अहंकार की बू आ रही थी. एक उपमुख्यमंत्री मुस्कुरा रहे थे. इस गलती (प्रतिमा ढहने की घटना) को माफ नहीं किया जा सकता. हम सभी यहां 'भाजपा के भारत से बाहर जाने' की मांग को लेकर एकत्र हुए हैं."उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के लोग महान योद्धा के अपमान को कभी माफ नहीं करेंगे. ठाकरे ने मोदी की ‘‘गारंटी’’ का उपहास उड़ाने के लिए प्रतिमा के ढहने, राम मंदिर में और नए संसद भवन परिसर में रिसाव का हवाला दिया. उन्होंने कहा, ‘‘प्रधानमंत्री किस बात के लिए माफी मांग रहे थे? उस प्रतिमा के लिए जिसका उन्होंने आठ महीने पहले उद्घाटन किया था? उसमें शामिल भ्रष्टाचार के लिए? एमवीए कार्यकर्ताओं को शिवाजी महाराज का अपमान करने वाली ताकतों को हराने के लिए मिलकर काम करना चाहिए, प्रतिमा का गिरना शरद पवार ने विरोध मार्च में कहा, ‘‘सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी

शिवाजी महाराज की प्रतिमा कैसे और क्यों गिरी? जानिए कैक्टस; उद्धव से लेकर शिंदे ने क्या कहा?



कंगुवा के लिए चर्चा में हैं. इसमें उनके साथ बॉबी देओल नजर आएंगे, जो कि विलेन का रोल निभा रहे हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है, जो कि काफी चर्चा में रहा, जिसके चलते फैस 10 अक्टूबर का बेसग्री से इंतजार कर रहे हैं. लेकिन फैस के लिए एक बुरी खबर है कि अब कंगुवा 10 अक्टूबर को रिलीज नहीं होगी क्योंकि एक्टर सूर्या ने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है, जिसका कारण सुपरस्टार रजनीकांत की वेट्टैयान के कारण लिया गया है. दरअसल, सिरुथाई शिवा द्वारा निर्देशित कंगुवा की रिलीज डेट को पोस्टपोन करने का फैसला रजनीकांत की वेट्टैयान को देखते हुए लिया गया है, जो कि उसी दिन रिलीज होने वाली है. सूर्या ने कार्थी की मेयाझगन के ऑडियो लॉन्च इवेंट के दौरान ऑफिशियली पोस्टपोन होने की पुष्टि की है. उन्होंने रजनीकांत को तमिल सिनेमा में वर्षों से एक स्मारकीय व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया और कहा कि कंगुवा और वेट्टैयान दोनों को एक ही दिन रिलीज करना आदर्श नहीं होगा.सूर्या ने इस बात पर ज़ोर दिया कि कंगुवा एक बच्चे की तरह है, जिसके निर्माण में अनगिनत लोगों ने अपना खून, पसीना और आंसू बहाए हैं. उन्होंने सभी से फैसले को समझने और फिल्म के सिनेमाघरों में आने पर उसका समर्थन करना जारी रखने का आग्रह किया है. वेट्टैयान के लिए कंगुवा का अधिकारिक रूप से पोस्टपोन करने के साथ नई रिलीज डेट की घोषणा होना अभी बाकी है.

नई दिल्ली: साउथ स्टार सूर्या, जिन्हें सिंघम के लिए जाना जाता है. वह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म कंगुवा के लिए चर्चा में हैं. इसमें उनके साथ बॉबी देओल नजर आएंगे, जो कि विलेन का रोल निभा रहे हैं. हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है, जो कि काफी चर्चा में रहा, जिसके चलते फैस 10 अक्टूबर का बेसग्री से इंतजार कर रहे हैं. लेकिन फैस के लिए एक बुरी खबर है कि अब कंगुवा 10 अक्टूबर को रिलीज नहीं होगी क्योंकि एक्टर सूर्या ने फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया है, जिसका कारण सुपरस्टार रजनीकांत की वेट्टैयान के कारण लिया गया है. दरअसल, सिरुथाई शिवा द्वारा निर्देशित कंगुवा की रिलीज डेट को पोस्टपोन करने का फैसला रजनीकांत की वेट्टैयान को देखते हुए लिया गया है, जो कि उसी दिन रिलीज होने वाली है. सूर्या ने कार्थी की मेयाझगन के ऑडियो लॉन्च इवेंट के दौरान ऑफिशियली पोस्टपोन होने की पुष्टि की है. उन्होंने रजनीकांत को तमिल सिनेमा में वर्षों से एक स्मारकीय व्यक्ति के रूप में स्वीकार किया और कहा कि कंगुवा और वेट्टैयान दोनों को एक ही दिन

73 साल की उम्र में बड़-बड़े गुंडों से टकराने को तैयार साउथ का ये सुपरस्टार, पिछले साल दी थी 650 करोड़ की ब्लॉकबस्टर

और इसमें कोई दो राय नहीं कि रजनीकांत के साथ उनकी टक्कर भी कमाल की रहने वाली है. कूली में रजनीकांत, नागार्जुन, उषेंद्र, श्रुति हासन और सत्यराज लीड रोल में हैं.साउथ के इस सुपरस्टार की उम्र 73 साल है. लेकिन अपनी अगली फिल्म में वे साउथ के बड़े-बड़े ऑनस्क्रीन गुंडों से टकराने के लिए तैयार हैं. इस एक्टर की आखिरी फिल्म 2023 में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 650 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था और उनका किरदार भी यादगार रहा था. क्या आप इस एक्टर के नाम का अनुमान लगा पाए? अगर नहीं तो लीजिए हम आपको बताए देते हैं. ये एक्टर कोई और नहीं बल्कि रजनीकांत हैं, जिन्हें उन्हें फैन्स प्यार से 'थलाइवा' के नाम से भी जानते हैं. यहां हम जिक्र उनकी अगली फिल्म कूली का कर रहे हैं जिसकी स्टारकास्ट हर दिन के साथ और भी दिलचस्प होती जाती रही है.रजनीकांत की फिल्म कूली का टीजर कुछ समय पहले रिलीज हुआ था. जिसने फैन्स को जबरदस्त एक्साइटेड कर दिया था. अब कुछ अंतराल पर फिल्म के साथ नए स्टार के जुड़ने की खबर आ जाती है. कुछ दिन पहले ही खबर आई थी कि तेलुगु सुपरस्टार नागार्जुन फिल्म में नजर आएंगे और लेटेस्ट खबर यह है कि कन्नड़ सुपरस्टार उषेंद्र कूली के साथ कलीशा के किरदार के तौर पर जुड़े हैं. इस कैरेक्टर पोस्टर में उनका अंदाज बहुत ही खतरनाक लग रहा है और इसमें कोई दो राय नहीं कि रजनीकांत के साथ उनकी टक्कर भी कमाल की रहने वाली है. कूली में रजनीकांत, नागार्जुन, उषेंद्र, श्रुति हासन और सत्यराज लीड रोल में हैं.साउथ के इस सुपरस्टार की उम्र 73 साल है. लेकिन अपनी अगली फिल्म में वे साउथ के बड़े-बड़े ऑनस्क्रीन गुंडों से टकराने के लिए तैयार हैं. इस एक्टर की आखिरी फिल्म 2023 में रिलीज हुई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर 650 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था और उनका किरदार भी यादगार रहा था. क्या आप इस एक्टर के नाम का

अनुमान लगा पाए? अगर नहीं तो लीजिए हम आपको बताए देते हैं. ये एक्टर कोई और नहीं बल्कि रजनीकांत हैं, जिन्हें उन्हें फैन्स प्यार से 'थलाइवा' के नाम से भी जानते हैं. यहां हम जिक्र उनकी अगली फिल्म कूली का कर रहे हैं जिसकी स्टारकास्ट हर दिन के साथ और भी दिलचस्प होती जाती रही है. रजनीकांत की फिल्म कूली का टीजर कुछ समय पहले रिलीज हुआ था. जिसने फैन्स को जबरदस्त एक्साइटेड कर दिया था. अब कुछ कुछ अंतराल पर फिल्म के साथ नए स्टार के जुड़ने की खबर आ जाती है. कुछ दिन पहले ही खबर आई थी कि तेलुगु सुपरस्टार नागार्जुन फिल्म में नजर आएंगे और लेटेस्ट खबर यह है कि कन्नड़ सुपरस्टार उषेंद्र कूली के साथ कलीशा के किरदार के तौर पर जुड़े हैं. इस कैरेक्टर पोस्टर में उनका अंदाज बहुत ही खतरनाक लग रहा है और इसमें कोई दो राय नहीं कि

ठाकरे ने मोदी की ‘‘गारंटी’’ का उपहास उड़ाने के लिए प्रतिमा के ढहने, राम मंदिर में और नए संसद भवन परिसर में रिसाव का हवाला दिया. उन्होंने कहा, ‘‘प्रधानमंत्री किस बात के लिए माफी मांग रहे थे? उस प्रतिमा के लिए जिसका उन्होंने आठ महीने पहले उद्घाटन किया था? उसमें शामिल भ्रष्टाचार के लिए? एमवीए कार्यकर्ताओं को शिवाजी महाराज का अपमान करने वाली ताकतों को हराने के लिए मिलकर काम करना शरद पवार और कांग्रेस के आरोप शरद पवार ने विरोध मार्च में कहा, ‘‘सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का गिरना भ्रष्टाचार का एक उदाहरण है. यह सभी शिवाजी प्रेमियों का अपमान है."कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री के माफी मांगने से बहुत पहले ही विपक्ष ने ऐसी ‘‘शिवाजी द्रोही’’ सरकार को सत्ता में आने देने के लिए मराठा योद्धा से माफी मांगी थी. आगामी विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में उन्होंने कहा कि हमने संकल्प लिया है कि ऐसा दोबारा नहीं होगा. पटोले ने कहा कि प्रधानमंत्री ने राज्य में होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए माफी मांगी है. शिंदे को क्यों याद आए औरगजेबाराष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) सुप्रीमो शरद पवार और शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना- यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ढहने के विरोध में दक्षिण मुंबई स्थित प्रतिष्ठित हुतात्मा चौक से 'गेटवे ऑफ इंडिया' तक रविवार को ‘महा विकास आघाड़ी’ (एमवीए) के मार्च का नेतृत्व किया. शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ‘‘क्या आपने (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी